



आंखें बताएंगी तंत्रिकाओं का हाल

आंखों के ज़रिए बस एक क्षण में यह पता लग जाएगा कि शरीर में मधुमेह के कारण तंत्रिका क्षति की स्थिति क्या है। 50 प्रतिशत से

अधिक मधुमेह रोगियों में तंत्रिका क्षति देखी जाती है। तंत्रिका क्षति ज़्यादा हो, तो व्यक्ति के अंगों में संवेदनशीलता समाप्त या कम हो जाती है, अंग काटने की स्थिति आ जाती है।

फिलहाल तंत्रिका क्षति का पता लगाने के लिए जिन तकनीकों का उपयोग किया जाता है उनमें चीरफाड़ करनी होती है। ऐसे इन्वेसिव परीक्षणों में तंत्रिका और ऊतकों की बायोप्सी शामिल है। मगर अब ऑस्ट्रेलिया में ब्रिस्बेन स्थित क्वींसलैंड युनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलॉजी के नाथन एफ्रोन और उनके साथियों ने इस क्षति का पता करने के लिए एक गैर-इन्वेसिव परीक्षण विकसित किया है।

आम तौर पर मधुमेह के कारण परिधीय तंत्रिकाओं की

क्षति होती है। लेकिन एफ्रोन को आशंका थी कि यह क्षति आंखों के कार्निया पर भी अपने चिन्ह छोड़ती होगी।

गौरतलब है कि हमारे शरीर का सर्वाधिक तंत्रिका घनत्व वाला ऊतक कार्निया है। अतः उन्होंने कार्नियल कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप की मदद से कार्निया का अध्ययन किया। औसतन, एक स्वस्थ व्यक्ति की तुलना में तंत्रिका क्षति से पीड़ित मधुमेह मरीजों में कार्निया में तंत्रिका घनत्व में कमी देखी गई और तंत्रिकाओं की लंबाई भी कम पाई गई।

एफ्रोन और उनकी टीम इस अध्ययन के आधार पर एक क्लिनिकल टेस्ट विकसित कर रहे हैं। इस टीम के सदस्य रयाज़ मलिक, युनिवर्सिटी ऑफ मेन्चेस्टर, यू.के. ने एक सॉफ्टवेयर विकसित किया है, जिसकी मदद से केंद्रीय कार्निया की छवियों की तुलना मधुमेह जनित तंत्रिका क्षति से की जा सकती है। एफ्रोन के मुताबिक यह टेस्ट दुनिया भर के कुछ अस्पतालों में इस्तेमाल भी किया जा रहा है। यह खोज *एशिया पैसिफिक एकेडमी ऑफ ऑर्थोल्मोलॉजी* में प्रस्तुत हुई है। (**स्रोत फीचर्स**)